शिक्षा व संस्कार से होगा आतंकवाद का खात्मा : राजनाथ

लखनऊ (एसएनबी)। केन्द्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि अच्छे संस्कार व शिक्षा से आतंकवाद खत्म किया जा सकता है। जीवन में ज्ञान ही सब कुछ नहीं है मनुष्य के जीवन में संस्कारों का बहुत महत्व है। संस्कार के अभाव में हमारे कुछ युवा भटक कर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आईटी के जरिये भ्रष्टाचार खत्म किया जा सकता है। केन्द्र सरकार तीन साढ़े तीन साल के अंदर पूरे सिस्टम को पारदर्शी बनाने के लिए ई-गवर्नेन्स को अंजाम देने वाली है।

■ एकेटीयू का दीक्षांत समारोह

वह शनिवार को डा. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में लोगों को सम्बोधित कर रहे थे। इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि की हैसियत से उन्होंने कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी जिन्दगी को सुगम बनाने के लिए बहुत उपयोगी है। यदि इसका ठीक से उपयोग न किया गया तो देश और समाज के लिए बहुत बड़ा खतरा है। साइबर क्राइम आज बहुत बड़ी चिन्ता का विषय है। युवाओं का एक वर्ग रचनात्मक और दूसरा वर्ग विध्वंसात्मक कार्य कर रहा है। नौजवानों में सोच का अंतर कहां से आया। सोच, विचार, जीवन मूल्यो के प्रति प्रतिबद्धता और सिद्धांतों पर चलने वाले नहीं होंगे तो टेक्नोलाजी का सही उपयोग नहीं होगा। यह निर्भर करता है कि किस प्रकार का चरित्र हमने अपने जीवन में स्वीकार किया है। ज्ञान ही जीवन में सब कुछ नहीं है।

लंदन के गार्जियन में छपे एक लेख का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इन्फोसिस बनाम अलकायदा में काफी समानता है। दोनों ही जगह प्रतिभावान युवा कार्य कर रहे है,जो अच्छे इजीनियरिंग कालेज में पढ़े हैं। दोनो का कालखण्ड भी एक ही है। दोनों की ग्लोबल नेटवर्किंग है दोनों के काम करने वाले कमिटेड व डेडीकेटेड हैं। उन्होंने कहा कि प्रकृति के साथ खिलवाड़ का नतीजा है ग्लोबल वार्मिंग। आज पूरा विश्व इस समस्या से जूझ रहा है, क्योंकि हम नेचर फ्रेण्डली नहीं थे। भारत का संविधान बदल सकता है लेकिन प्रकृति का शाश्वत नियम नहीं बदल सकता है इसलिए प्रकृति के साथ खिलवाड़ न करें।उन्होंने कहा कि हम सुपर मिलेट्री पावर बनाना चाहते हैं लेकिन दहशत पैदा करने के लिए नहीं बल्कि अपनी सुरक्षा के लिए। इस अवसर पर डा. कलाम को याद करते हुए उन्होंने कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा।

राज्यपाल राम नाईक ने कहा कि 62 मेडल में सिर्फ 14 मेडल छात्रों को मिले हैं। उन्होंने छात्राओं का अभिनन्दन करते हुए कहा कि तकनीकी क्षेत्र में भी लड़कियां आगे निकल रही हैं। देश की महिलाएं सशक्त हो रही है। यह दृश्य आज यहां देखने को मिला। दीक्षांत समारोह में भारतीय पोशाक का सुंदर ढंग से प्रयोग की सराहना की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का नाम डा. कलाम के नाम पर है इसलिए यह ध्यान रखना होगा कि काम भी डा. कलाम के नाम के अनुरूप हो।इस अवसर पर प्रदेश के राज्यपाल राम नाईक ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष पद्मश्री एएस किरन कुमार को मानद उपाधि देकर सम्मानित किया। समारोह में 3 विद्यार्थियों को पीएचडी की डिग्री के साथ ही एमटेक, एमफार्मा, एमआर्क, एमबीए, बीटक, बीफार्मा व बीआर्क आदि की डिग्री प्रदान की गयी।

इस अवसर पर 62 मेडल भी प्रदान किये गये। कार्यक्रम में प्राविधिक शिक्षा राज्य मंत्री फरीद महफूज किदवई, प्रमुख सचिव (प्राविधिक शिक्षा) मुकुल सिंघल, कुलपति प्रो. विनय पाठक व कुल सचिव केके चौधरी समेत सैकड़ों छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

एकेटीयू के दीक्षांत समारोह का उद्घाटन करते व डिग्री देते राज्यपाल राम नाईक व केन्द्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह। छाया : एसएनबी

..अब तो सिर्फ दो बिन्दु बचे हैं बोलने को

एकेटीयू के दीक्षांत समारोह में पदक और डिग्री प्रदान करने के बाद जब राज्यपाल छात्रों को सम्बोधित करने के लिए उठे तो उन्होंने कहा कि मिनट्स टू मिनट्स बना था। उसके हिसाब से मुझे पूर्वाह्न 10.40 पर बोलना था लेकिन एक घंटे विलम्ब हो गया। मुझे सुभाष जयंती पर एक कार्यक्रम में 11 बजे पहुंचना था। उन्होंने कहा कि अब तो काफी देर हो चुकी है और मेरे पहले वक्ताओं ने सारे बिन्दुओं पर बोल दिया। सिर्फ दो बिन्दु बचे हैं बोलने को।

याद आया गुजरा जमाना

लखनऊ । एकेटीयू के दीक्षांत समारोह में आज केन्द्रीय गृह मंत्री, राज्यपाल और मंत्री को गुजरा हुआ जमाना याद आ गया। समारोह में सैकड़ों छात्र-छात्राओं को देखकर सभी ने अपने विद्यार्थी जीवन का याद किया।गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि मैं फिजिक्स का स्टूडेन्ट रहा हूं। इसके बाद वह एक के बाद एक इक्वेशन बताने लगे। वह विद्यार्थियों से पूछते भी रहे आपने यह पढ़ा है। प्रदेश के राज्यपाल ने कहा कि समारोह में आज बड़ी संख्या में लड़कियां मौजूद हैं। मैंने वर्ष 1961 में कामर्स से एमए किया। उस समय डेढ़ सौ की क्लास में सिर्फ दो लड़कियां थी। आप समझ सकते हैं कि उस समय क्या स्थिति रही होगी। इसके साथ ही उन्होंने लड़कों को नसीहत देते हुए कहा कि समारोह में लगभग 77 प्रतिशत लड़कियों ने मेडल जीता है जबकि लड़कों का प्रतिशत 33 प्रतिशत है। यह लड़कों के लिए खतरे का घंटा है।प्राविधिक शिक्षा राज्य मंत्री फरीद महफूज किदवई ने विद्यार्थियों को देखकर कहा कि 30-35 साल पहले के दिन याद आ गये। आप की तरह मैं भी अलीगढ़ मुस्लिम युनिवर्सिटी का छात्र था। मुझे भी डिग्री दी जा रही थी और मेरा दिमाग सातवें आसमान पर था।

पढ़ाई के बल पर ही पा सकते हैं ऊंचाई : यतेन्द्र

लखनऊ (एसएनबी)। आईटी से पढ़ाई करके गोल्ड मेडल पाने वाले छात्र यतेन्द्र कुमार का कहना है कि पढ़ाई का कोई और विकल्प नहीं होता है, उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से ही हम अपने जीवन में ऊंचाई पा सकते हैं। इण्डियन ऑयल में नौकरी पाने

पदक पाने वाले छात्रों से बातचीत

वाले यतेन्द्र ने बताया कि पढ़ाई के दौरान हुए कैम्पस सलेक्शन में उसे आठ अन्य कम्पनियों के भी ऑफर मिले, जिसमें तीन नौरत्न कम्पनियों के थे। यतेन्द्र ने बताया कि आज जो भी कुछ पाया है, उसमें माता-पिता और शिक्षकों का बहुत योगदान है।

फैशन डिजाइनिंग को ही बनाऊंगी अपना कॅरियर : आकृति

मेरठ के विद्या इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट से फैशन डिजाइनिंग में गोल्ड मेडल पाने वाली आकृति सिंघल ने बताया कि बचपन से ही उसकी फैशन डिजाइनिंग में रुचि थी। फैशन डिजाइनिंग के क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा नयी चीजें खोज सकूं और लोगों को इस ओर मोटिवेट कर सकूं, यही आगे के लिए सोचा है। उसने बताया कि उनकी मां रश्मि सिंघल की मेहनत की वजह से ही वह गोल्ड मेडल पा सकीं।

आईईएस की तैयारी करूंगी : प्रज्ञा

गोरखपुर के मदन मोहन मालवीय इंजीनियरिंग कालेज से इलेक्ट्रानिक्स में ब्रांज मेडल पाने वाली प्रज्ञा आर्या ने कहा कि वह आईईएस में जाना चाहती है और इसके लिए वह मेहनत कर रही है। देश के गृहमंत्री राजनाथ सिंह से मेडल पाकर उत्साहित प्रज्ञा ने कहा कि उसे खुशी है कि ऐसे भव्य समारोह में उसे मेडल मिला।

तेजी से बढ़ रही है हास्पिटेलिटी इंडस्ट्री : उजैर अशफाक

होटल मैनेजमेन्ट और कैटरिंग में गोल्ड मेडल पाने वाले आगरा के छात्र उजैर अशफाक ने कहा कि हास्पिटेलिटी इंडस्ट्री तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि युवाओं को परम्परागत कोर्सों के इतर भी अपना ध्यान केन्द्रित करना चाहिए क्योंकि इन क्षेत्रों में ग्रोथ के ज्यादा मौके हैं। उन्होंने कहा कि बलरामपुर का निवासी होने के बावजूद भी उसने आगरा से पढ़ाई की और कैम्पस सलेक्शन के तहत पढ़ाई के दौरान ही दिल्ली के होटल रेडिसन में नौकरी पायी है। उन्होंने बताया कि आज उसे अपने लिए गये निर्णय पर खुशी है।

आईईएस में जाना चाहती हूं : तहजीब

फैजाबाद रोड स्थित श्रीरामस्वरूप कालेज से बीटेक (सिविल) में गोल्ड मेडल पाने वालीं तहजीब जेहरा ने कह कि वह आईईएस में जाना चाहती हैं। उसने बताया कि वह छात्रों से यही कहना चाहती है कि जो भी पढ़ें, उसे मन लगाकर पढ़ें, क्योंकि समय बर्बाद होने के बाद वापस लौटकर नहीं आता। तहजीब ने अपनी उपलब्धि का श्रेय कालेज के गुरुओं को दिया।

(बांये से) यतेन्द्र , आकृति,प्रज्ञा, उजैर अशफाक व तहजीब जेहरा